

दिनांक	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व अहकाम हुक्म की मे जारी
--------	------------------------------------	--------------------------------

12-11-16

पञ्चावली पेशा है। कृषीय प्राची उपरिष्ठा / वृत्रीय प्राची ने प्रार्थना पत्र में केहित तथ्या, दस्तावेजों के आधार पर प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाने की इस्तहदा थी। जहाँही विपरीत के प्रार्थना पत्र से खण्डन के प्रस्ताव जहाँ से आधार पर दाद पत्र की स्वीकार किया जाने की इस्तहदा थी।

अन्य पञ्चावली का इवलेज्जत किया, तथा उभय पक्षों की सहक पर मजबूत किया गया। विवादीय काराजियात जहाँ खालक तहसील मोडल में किया होकर अपरलाम 510 हीरादाक केरानी कादिन केट से नाम दर्ज केरहि है। जिरूसी तहसील प्रस्ताव राणस्य कामिले व जमाबंदी की नकल कम्मत 2069 से 2072 के होती है। प्राची के विवादीय काराजियात कावेदन कावेदन प्रार्थना पत्र पेश किया। जिरूसी प्राची को नोमोजी 1406 में से 2 बीघा शक कावेदन है। कावेदन के प्रस्ताव प्राची को कावरी नं० 1406 रकबा 2 बीघा शक किपुर्दगी के की गयी। जिरूसी तहसील प्रस्ताव कावेदन प्रार्थना पत्र के किपुर्दगी नाम की फोर्ल प्राची के होती है। प्रस्ताव इस्तहदा के प्रार्थना पत्र में केहित तथ्या से कडकार प्राची को कावरी नं० 1406 रकबा 2 बीघा शक कावेदन है। कावेदन के प्रस्ताव 2 बीघा शक किपुर्दगी के की गयी लेकिन प्राची ने नोमोजी 1406 का रकबा कडकार कावेदन के अपरलाम कावरी की जमाबंदी व नकल प्रस्ताव नहीं किया तथा न ही प्राची ने कावेदन के प्रस्ताव का नकल ही प्रस्ताव किया। जिरूसी प्राची कावेदन होकर कावरी कर रहा है। जिरूसी प्राची को कावेदन शक की तहसील नहीं की गयी है तथा प्राची का विवादीय काराजियात पर ही कडकार कावरी की की किया के प्राची द्वारा कावरी गयी कावरी की तहसील प्रस्ताव इस्तहदा के नहीं होती है।


उपखण्ड अधिकारी
 जिला भोत

केसम मुकदमा

बनाम

नं.

सन्

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्राचीन रूपेण प्रार्थना पत्र को किए जाने के क्रमफल रहने के कारण प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित समझा है, कोः ०० क्र. १०००</p> <p>प्राचीन रूपेण प्रार्थना पत्र चान 136 L.R ACT को किए जाने के क्रमफल रहने के कारण प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना है। पत्रावली के क्रम अनुसार ही जज दफ्तर दारिज है।</p> <p style="text-align: center;">  जज अखिलेश जज मिला भीलकर </p>	